



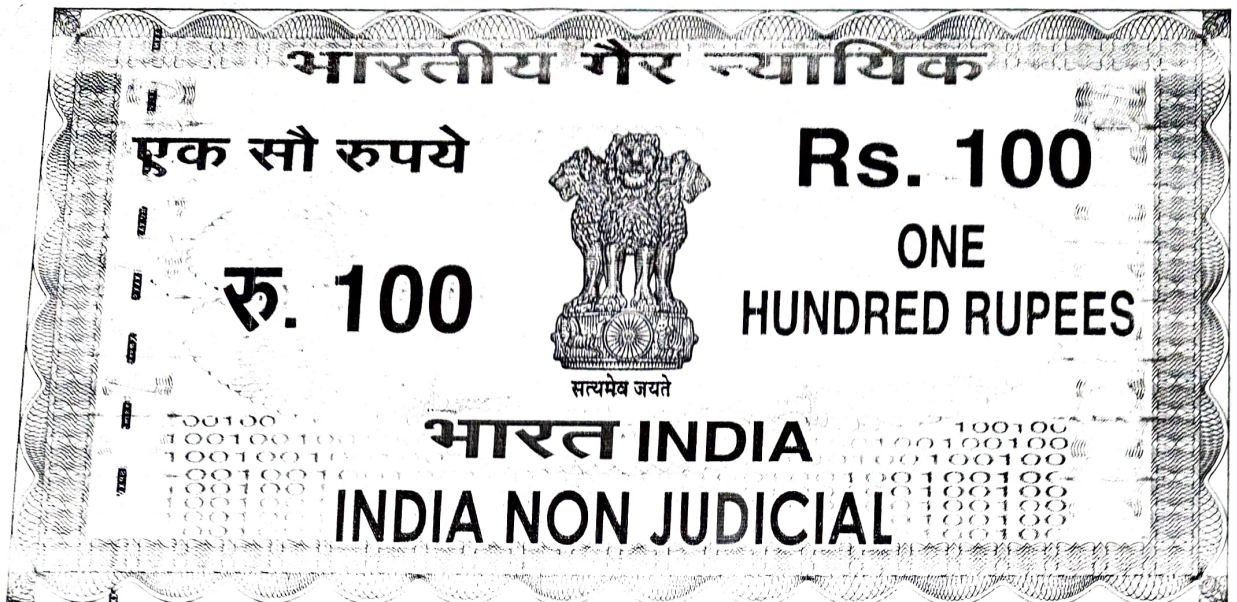
1245
1160

14-6-13
उपनिबन्धन सदर, आजमगढ।

- | | | | |
|----|-----------------------------|---|--|
| १. | प्रस्तुत करने की तिथि | - | १४.०६.२०१३ |
| २. | निष्पादन की तिथि | - | १४.०६.२०१३ |
| ३. | प्रस्तुतकर्ता की नाम व पता- | | श्रीमती रीना देवी पत्नी श्री रामकृष्ण, प्रबन्धक
निवासिनी ग्राम-बेलईसा, (नीबी), पो० व तह०-सदर
जनपद-आजमगढ़ उ०प्र० |
| ४. | विलेख की प्रकृति | - | ट्रस्टनामा |
| ५. | प्रतिफल | : | १८०००/रु० |
| ६. | निष्पादन का नाम व पूरा पता- | | श्रीमती रीना देवी पत्नी श्री रामकृष्ण, प्रबन्धक
निवासिनी ग्राम-बेलईसा, (नीबी), पो० व तह०-सदर
जनपद-आजमगढ़ उ०प्र०। |
| ७. | ट्रस्ट का नाम व पता | - | रामकृष्ण वैभव मानव संशाथन विकास ट्रस्ट
नीबी, बेलईसा, सदर, आजमगढ़ |
| ८. | कुल अदा किया गया स्टाम्प- | | रु० ११००/रु० |

रीना देवी.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BG 423659

2

हम कि रीना देवी पत्नी रामकृष्ण ग्राम-बेलईसा, (नीबी) पो०-व, तह०-सदर, जनपद-आजमगढ़ की मूल निवासिनी हूँ ।

हम मुकिरा एक ट्रस्ट की स्थापना कर रही हूँ तथा इसके कार्य रूप में वर्णित कर रही हूँ। हम मुकिरा का लगाव हमेशा गरीबों की मदद करना व शिक्षा का प्रचार प्रसार करना है। हम मुकिरा का उद्देश्य व मंशा को कार्य रूप में लाने के लिये इस धर्मार्थ ट्रस्ट का विलेख हम मुकिरा अपने परिवार के सहयोग व इच्छा से आज दिनांक १४.०६.१३ को स्वेच्छा से पूरी तरह विचार कर स्वच्छ मन से निष्पादित कर रही है जो प्रमाण रहे जो वक्त पर काम आवे।

१.- ट्रस्ट का नाम -

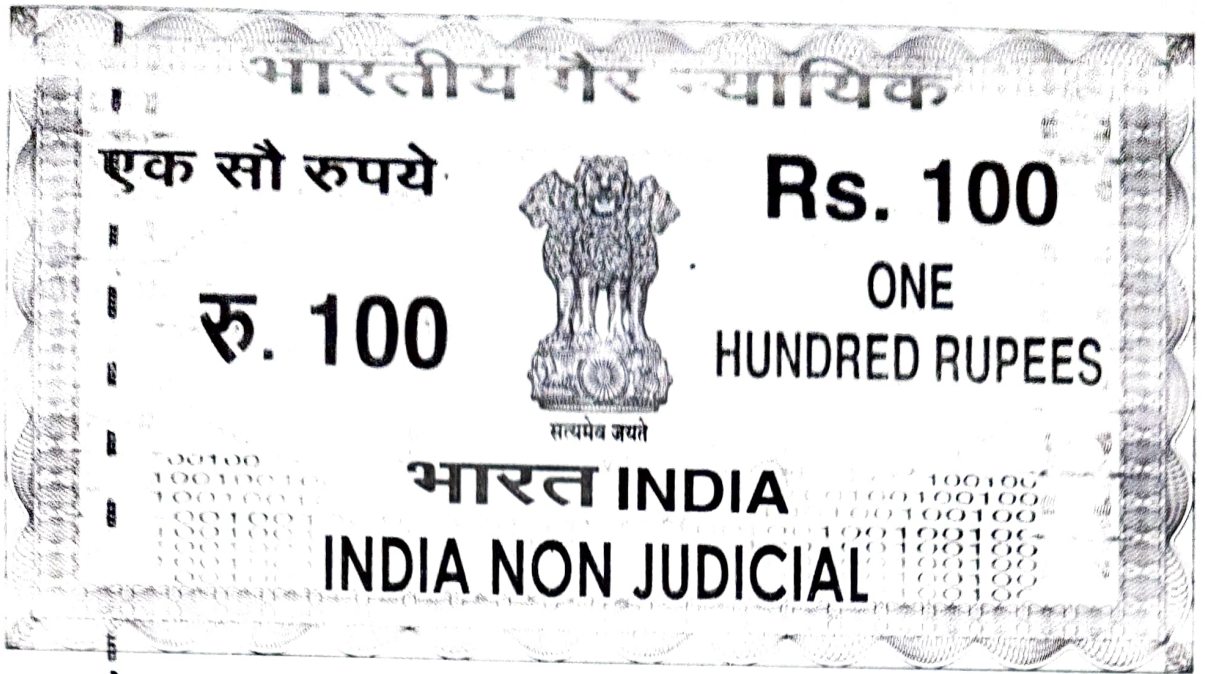
रामकृष्ण वैभव मानव संशाधन विकास ट्रस्ट, नीबी, बेलईसा, सदर, आजमगढ़।

२. ट्रस्ट का मुख्यालय -

इसका मुख्यालय हमेशा कैम्प कार्यालय ग्राम-नीबी, बेलईसा, मोहम्मदल्ला सदर, आजमगढ़ रहेगा। केवल कार्य की आवश्यकता को देखते हुये मुख्यालय ट्रस्टी के संस्थापक मण्डल के दो तिहाई बहुमत से ही अन्यत्र खोला जा सकेगा तथा ट्रस्ट मण्डल के बहुमत से इसकी शाखा कार्यालय अन्यत्र खोला जा सकेगा।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BG 423660

3

३. ट्रस्ट का क्षेत्र - सम्पूर्ण भारत

४. ट्रस्ट का उद्देश्य -

- (क)- लोगो का सामाजिक आर्थिक शैक्षिक अध्यात्मिक शारिरिक व्यवसायिक एवं बौद्धिक विकास करना।
- (ख) लड़के व लड़कियों के लिये सामान्य शिक्षा उच्च शिक्षा रोजगार परक व आय परक तकनीकी एवं व्यवसायिक अध्यात्मिक व पालिटेक्निक कालेज व आई०टी०आई०, इंजीनियरिंग, बी०टी०सी०, बी०एड०, बी०पी०एड०, सी०पी०एडव व विधिक कालेज व क्राफ्ट प्रशिक्षण कम्प्यूटर एवं प्राविधिक मेडिकल व वैज्ञानिक शिक्षण व प्रशिक्षण सिलाई, कढ़ाई इत्यादि संस्थाओ की स्थापना करना उनका संचालन करना तथा उस क्रम में विभागीय केन्द्रो, प्रकोष्ठो आदि की स्थापना करना एवं सम्बन्धित पाठ्यक्रमो को लागू करना पूर्व में संचालित संस्थाओ मे इसी ट्रस्ट की नियमावली लागू तथा इसी ट्रक अधीन कार्य करेगा।

रीता देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

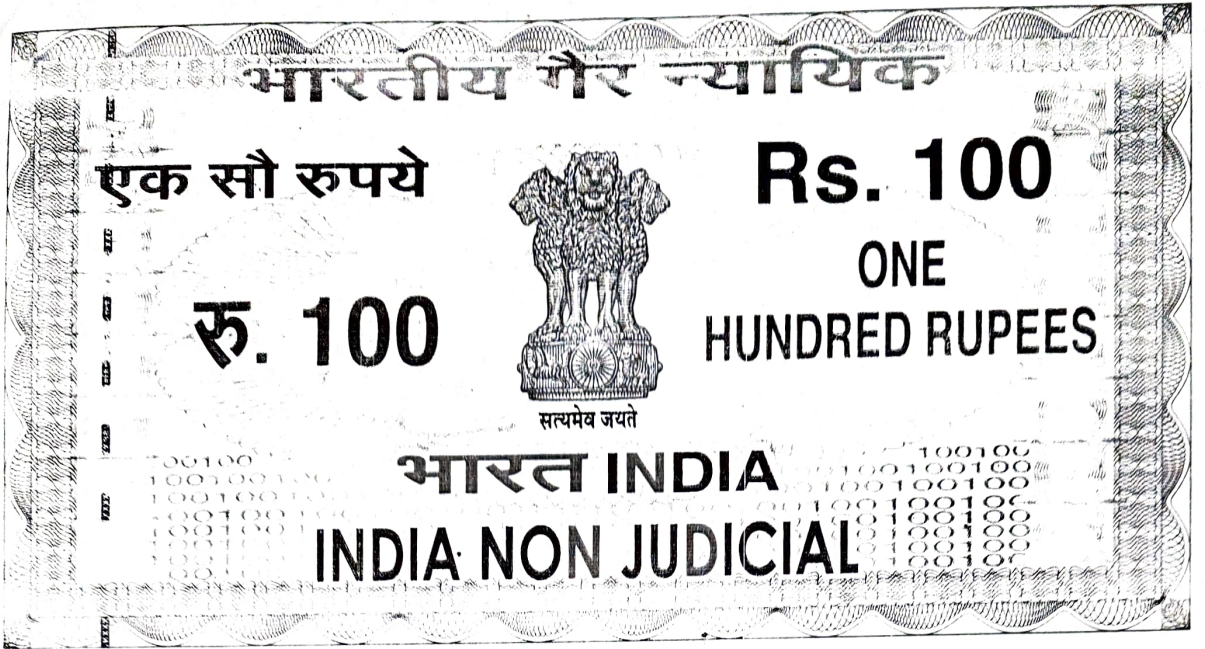
BG 423661

4

- (ग) आर्थिक तथा सामाजिक रूप से पिछड़े लोगो महिलाओं छात्रों एवं छात्राओं बच्चों तथा बूढ़ों एवं निरक्षर मूक बाधियों के लिये कल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वयन करना।
- (घ) गरीब व्यक्तियों के निदान के लिये दवाओं का वितरण करना तथा अस्पताल स्थापित करने की सेवाएँ हासिल करके उनको सस्ती व मुफ्त चिकित्सीय सुविधा मुफ्त कराना तथा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आदि का आयोजन करना।
- (ङ) ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार बेरोजगारों के लिये रोजगार तथा प्राविधिक शिक्षा व व्यवसायिक शिक्षा एवं विधि कालेज खोलना व रोजगार परक शिक्षा पर विशेष बल देना।
- (च)- संस्कृत वैज्ञानिक, धार्मिक एवं तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करना व उनकी व्यवस्था करना।
- (छ)- पुस्तकालय व वाचनालय व छात्रावास व्यायामशाला व प्रयोगशाला की व्यवस्था करना।
- (ज) समाज के सभी वर्गों के होनहार, परिश्रमी व कुशल बुद्धि के छात्रों के लिये विभिन्न सामान परीतोषित छात्रवृत्ति एवं अनुदान की यथासम्भव व्यवस्था करना व अन्य सुविधायें प्रदान करना, निराश्रितों हेतु अनाथालय बृद्धाश्रम तथा यात्रियों के धर्मशाला आदि का निर्माण करना।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

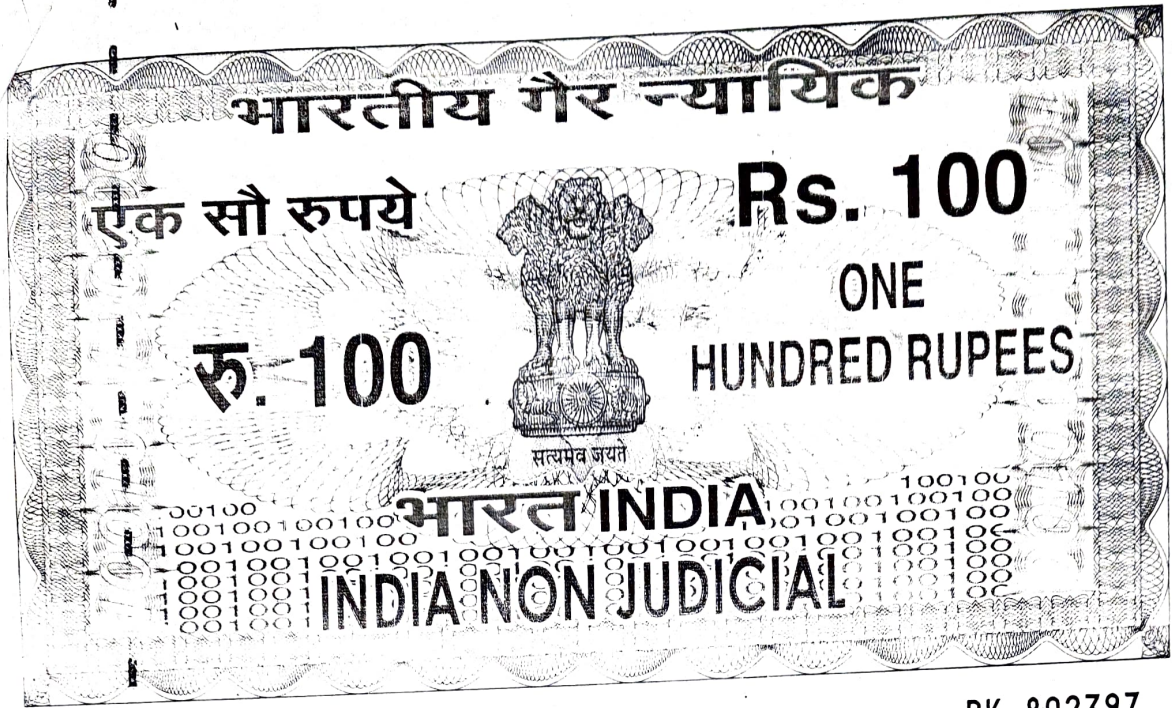
BG 423662

5

- (झ) भारत सरकार व प्रदेश सरकार व स्वेच्छिक एन०जी०ओ० द्वारा प्राप्त सहभागीता योजनाओं को संचालित करना।
- (ज) लोक जन कल्याण के लिये आधुनिक वाहन का भी क्रय विक्रय कर सकता है।
- (ट) ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट मण्डल के अध्यक्ष व सचिव/प्रबन्धक को यह अधिकार होगा कि वह ट्रस्ट मण्डल की सहमति से नियमानुसार किसी राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा संस्था से लोन ले सकता है लोन की अदायगी करने के लिये ट्रस्ट मण्डल बाध्य होगा ट्रस्ट मण्डल के अध्यक्ष/प्रबन्धक को यह अधिकार होगा कि वह राष्ट्रीयकृत बैंक में अपने नाम से खाता खोला सकता है।
- ५- उपरोक्त हेतु यह ट्रस्ट बिना किसी भदभाव के उपर्युक्त प्रकार से लोक कल्याण के कार्यों को पूरा करने का पूरा प्रयत्न करेगा जिसके लिये व्यक्तियों जनप्रतिनिधियों से व संगठनों से संस्थाओं तथा सरकार से अनुदान चन्दा, दान क्रय संविदा तथा अन्य वैध तरीकों द्वारा चल व अचल सम्पत्ति प्राप्त व अर्जित कर सकता है और आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट के अध्यक्ष/प्रबन्धक को यह अधिकार होगा कि ट्रस्ट के दो तिहाई सदस्य से अनुमति लेकर ट्रस्ट की जमीन क्रय विक्रय कर सकता है।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

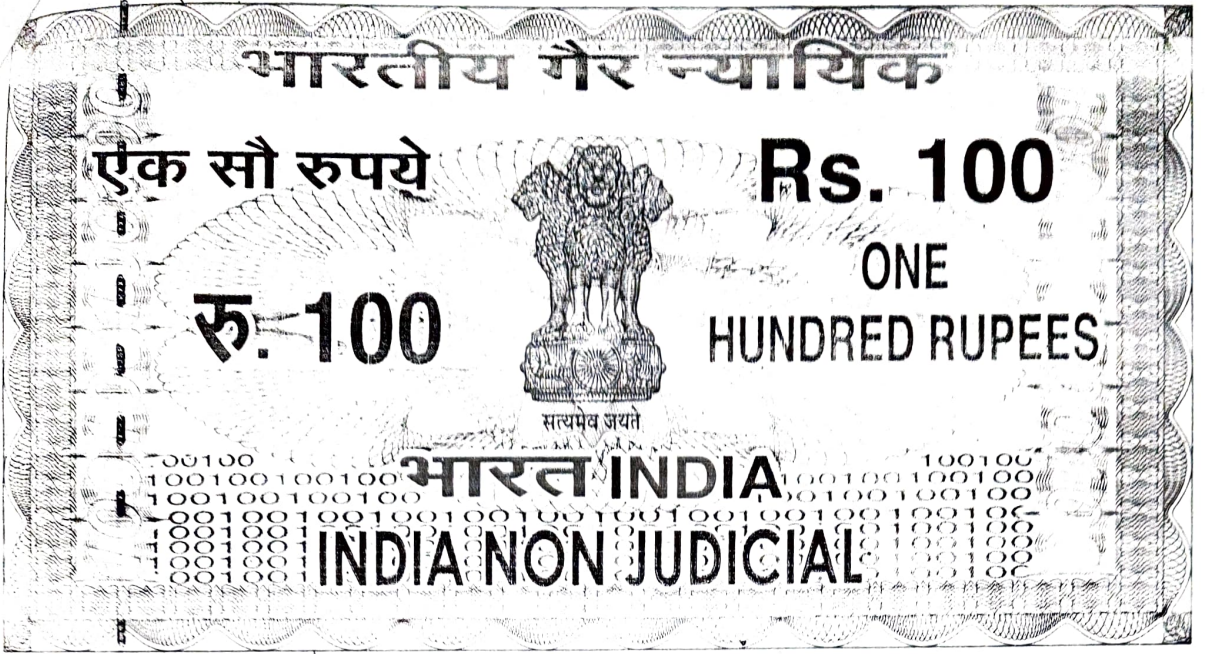
BK 802397

6

क्रसं०	नाम	उम्र	पिता/पति का नाम	पता	पेशा
१.	श्रीमती रीना देवी	४४ वर्ष	पत्नी रामकृष्ण (प्रबन्धक/अध्यक्ष) /सचिव	ग्राम-बेलईसा, (नीबी) पो०-सदर तह०-सदर, जिला-आजमगढ़	
२.	श्री रामकृष्ण	४८ वर्ष	पुत्र चन्द्रशेखर	ग्राम-बेलईसा, (नीबी) पो०-सदर तह०-सदर, जिला-आजमगढ़	
३.	सौरभ बर्नवाल	२१ वर्ष	पुत्र रामकृष्ण	ग्राम-बेलईसा, (नीबी) पो०-सदर तह०-सदर, जिला-आजमगढ़	
४.	वैभव बर्नवाल	१८ वर्ष	पुत्र रामकृष्ण	ग्राम-बेलईसा, (नीबी) पो०-सदर तह०-सदर, जिला-आजमगढ़	
५.	सुरेश चन्द्र बर्नवाल	४७ वर्ष	पुत्र स्व० शारदा प्रसाद	मुह०-हनुमान मन्दिर चौराहा पो० व तह०-सदर, जनपद-देवरिया	

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

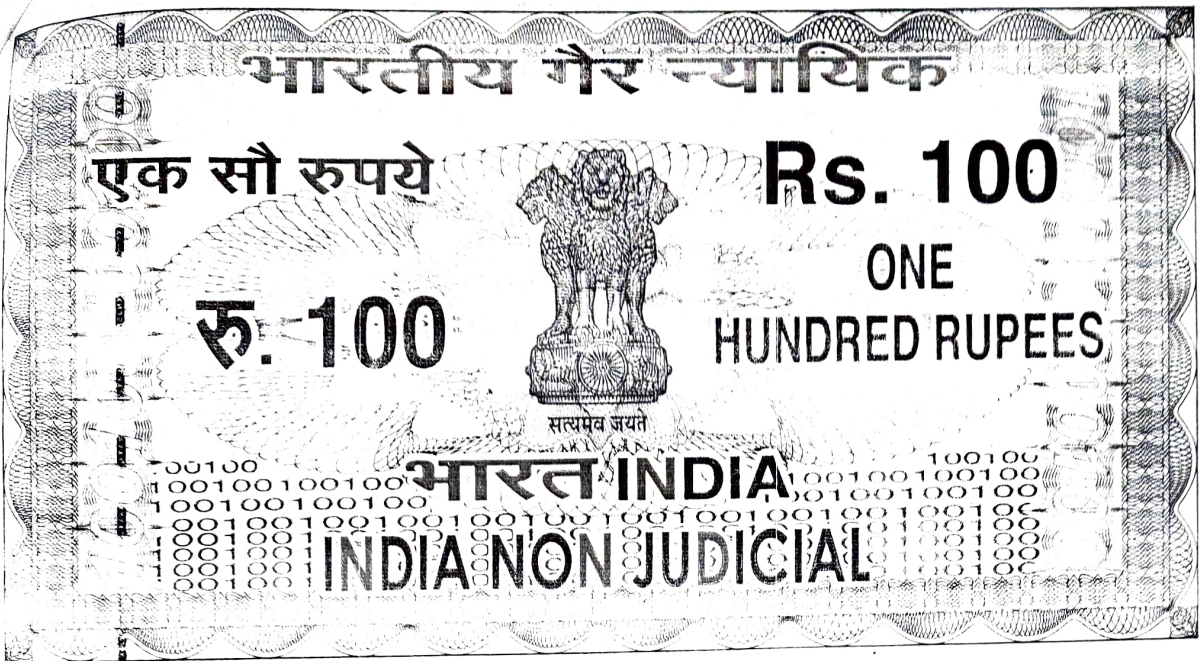
BK 802398

7

६. उपरोक्त ट्रस्टीगण ट्रस्ट के प्रथम व प्रारम्भिक ट्रस्टीगण है जिनके द्वारा ट्रस्ट की वर्तमान सम्पत्ति संकल्पित व निहित हुई है। इस ट्रस्ट की स्थापना करने वाले उपरोक्त ट्रस्टीगण इस ट्रस्ट के आजीवन संस्थापक सदस्य रहेगे और इस संस्थान के संस्थापक मण्डल के रूप में प्रतिष्ठित रहेगे। ट्रस्ट द्वारा निर्मित किसी भी चल व अचल सम्पत्ति में ब्लड सम्बन्धित व्यक्ति के अलावा किसी दुसरे का अधिकार इस ट्रस्ट पर नहीं होगा।
७. यह कि ट्रस्टीगण की संख्या अधिक से अधिक १३ हो सकती है जो कि आश्यकता पड़ने पर वर्तमान ट्रस्टीगण के बहुमत से बन सकते है तथा इस ट्रस्ट के ट्रस्टीगण की बालिग संतान जो स्वस्थचित का हो तथा इस ट्रस्ट मे आस्था रखता हो तथा ज्येष्ठ पुत्र के न रहने पर उसके अन्य भाई प्रबन्धक के सारे कार्य करेगे व ट्रस्टीगण होते रहेगे।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BK 802399

8

८. यह कि उपरोक्त ट्रस्टीगण है जिनके योगदान व सहयोग से वर्तमान सम्पत्ति मु० १८०००/रु० के संकल्प समर्पण व प्रदान पर इस ट्रस्ट का सृजन हो रहा है और भविष्य में उपरोक्त ट्रस्टी अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कोई अन्य चल-अचल सम्पत्ति वसीयत दान, अनुदान की अथवा संविदा पट्टा द्वारा अर्जित प्राप्त या स्वीकार कर सकते हैं। उपरोक्त ट्रस्टीगण इसके द्वारा संचालित संस्थाओं के भी आजीवन सदस्य रहेंगे तथा इस ट्रस्ट के सदस्य श्रीमती रीना देवी पत्नी श्री रामकृष्ण ग्राम-बेलईसा, (नीबी) पो०-सदर, तह०-सदर, जिला-आजमगढ़ सचिव/प्रबन्धक होगी तथा मुख्य कार्याधिकारी होगी तथा इस ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं के भी अध्यक्ष व सचिव/प्रबन्धक आजीवन रहेंगे।
९. यह कि प्रत्येक ट्रस्टी के लिये ट्रस्ट के कार्यों में पूरी दिलचस्पी लेना आवश्यक होगा और यदि कोई ट्रस्टी ट्रस्ट मण्डल के चार बैठकों में अनुपस्थित रहेगा तो ट्रस्ट मण्डल को अधिकार होगा कि उस ट्रस्टी को नोटिस के उपरान्त ट्रस्टी के पद से मुक्त कर सकते हैं।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

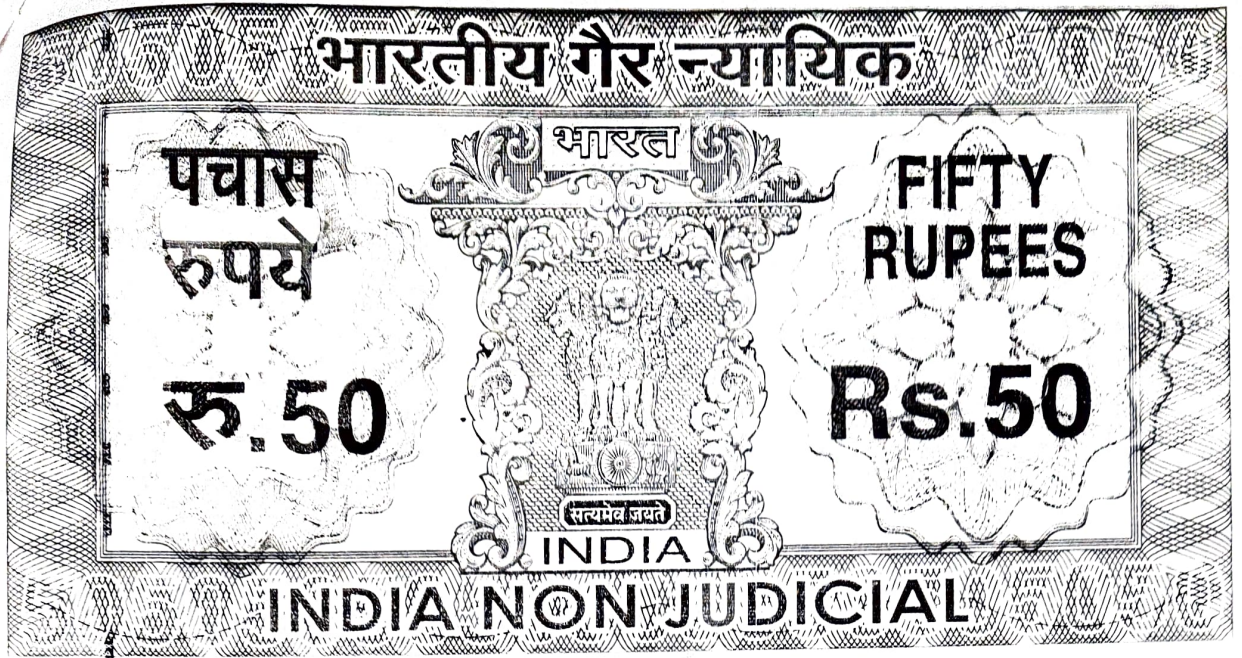
BK 802400

9

90. यह कि ट्रस्ट का अध्यक्ष व सचिव/प्रबन्धक इस ट्रस्ट के मुख्य कार्याधिकारी होंगे तथा ट्रस्ट मण्डल के निर्णय के अनुसार ट्रस्ट का प्रबन्धन करेगा तथा उन्हें अपना उत्तराधिकारी नियुक्त करने का अधिकार होगा।
99. यह कि अध्यक्ष व सचिव/प्रबन्धक का मृत्यु होने पर या त्याग पत्र देने पर ट्रस्टीगण को यह अधिकार होगा कि वह ट्रस्ट की निष्पादक श्रीमती रीना देवी के पुत्रों के श्रेष्ठता क्रम नसल बनसल में से ही किसी को अध्यक्ष व सचिव/प्रबन्धक का चयन बहुत से करेंगे।
92. यह कि ट्रस्ट मण्डल की बैठक कम से कम एक वर्ष में दो बार अवश्य होगी जिसमें ट्रस्ट के संचालन व क्रियाकलापों पर विचार व वर्ष में एक वार्षिकोत्सव होगा जिसमें ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं के क्रियाकलापों व हिसाब किताब का लेखाजोखा होगा तथा अन्य व आवश्यक निर्णय लिये जायेंगे।
93. यह कि ट्रस्ट की सम्पूर्ण धनराशि किसी रजिस्टर्ड बैंक या पोस्ट ऑफिस में ट्रस्ट के नाम से खाता कर जमा किया जायेगा जिसका संचालन जरिये अध्यक्ष व सचिव/प्रबन्धक संयुक्त रूप से करेंगे।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

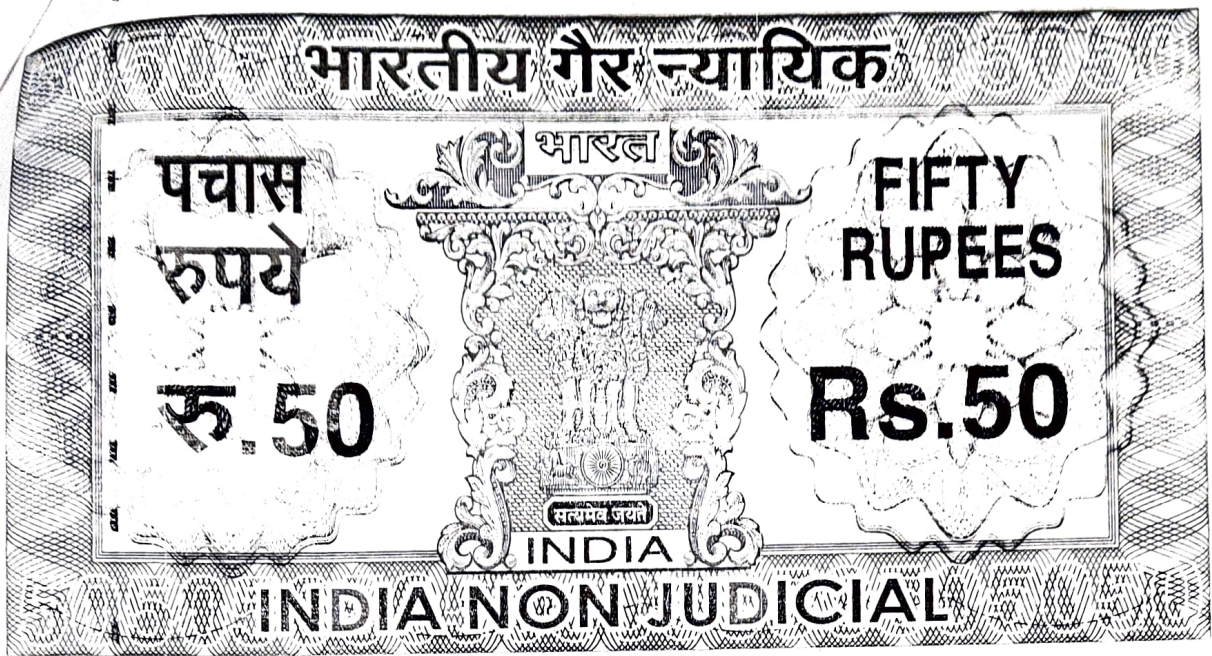
AL 315663

10

98. यह कि ट्रस्ट में एक कोषाध्यक्ष होगा जिसकी नियुक्ति ट्रस्टी मण्डल अपने बहुमत से तीन वर्ष के लिये करेगा। कोषाध्यक्ष के लिये आवश्यक होगा कि हिसाब किताब का ब्योरा सचिव से लेकर रखे तथा उसका आडिट प्रतिवर्ष कराये तथा प्रतिवर्ष ट्रस्ट मण्डल में उसे पास कराये।
99. यह कि ट्रस्ट द्वारा स्थापित किये गये संस्थाओं को सुचारु रूप से चलाने के लिये उस संस्थान के विशेष नियमों के नियमावली बनाने का अधिकार ट्रस्टी मण्डल को होगा तथा ट्रस्टी मण्डल उन नियमों व उप नियमों को समय-समय पर आवश्यक संशोधन कर सकेगा।
100. यह कि ट्रस्ट द्वारा संस्थापित व संचालित प्रत्येक प्रतिष्ठान के लिये ट्रस्ट मण्डल को अपना एक उप समिति भी गठित करने का अधिकार होगा जिसमें ट्रस्टीगण के अतिरिक्त अन्य विशेषज्ञों को भी ट्रस्ट मण्डल में मनोनीत कर सकेगा तथा इस प्रकार से नियुक्ति की गयी उप समिति के अधिकार उसका कार्यकाल और कार्यक्षेत्र ट्रस्ट मण्डल को निश्चित करने का अधिकार होगा और उक्त समितियाँ ट्रस्ट मण्डल के बहुमत के निर्णयों एवं आदेशों का पालन करेगी। ट्रस्ट मण्डल को उक्त उप समितियों को भंग करने उनके सदस्यों को नियुक्त करने तथा विमुक्त करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त होगा।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AL 315664

11

99. यह कि ट्रस्ट को किसी भी निगम द्वारा प्रशासन व किसी भी व्यक्ति द्वारा ट्रस्ट के नाम से जमीन जायदाद प्राप्त करने तथा ट्रस्ट द्वारा स्थापित प्रतिष्ठानों के लिये भवन निर्माण व उसके लिये उपयोगी वस्तुओं का खरीद व व्यवस्था आदि करने का अधिकार होगा। ट्रस्ट को यह भी अधिकार होगा कि कोई सम्पत्ति अथवा धन किसी से दान रूप में प्राप्त करे अथवा कोई सम्पत्ति अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिये खरीदे या पट्टे या संविदा पर प्राप्त करे तथा किसी विशेष परिस्थिति में ही ट्रस्ट मण्डल के तिहाई बहुमत के प्रस्ताव से ट्रस्ट की सम्पत्ति अन्तरण की जा सकेगी।
100. यह कि ट्रस्ट की अपनी आमदनी बढ़ाने के लिये अन्य आवश्यक कार्य जैसे दुकाने बाजार आदि बनवाकर किराये पर उठाने का अधिकार होगा। उक्त आमदनी जो कि दुकानों तथा अन्य प्रकार से होगी वह आमदनी ट्रस्ट के कार्यों हेतु निहित होगी।
101. यह कि ट्रस्ट की ओर से व उसके द्वारा स्थापित व संचालित संस्थाओं की प्रत्येक कानूनी कार्यवाही करने का एक मात्र अधिकार ट्रस्ट के सचिव/प्रबन्धक को होगा तथा आजमगढ़ न्यायालय को क्षेत्राधिकार होगा।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

21AA 826496

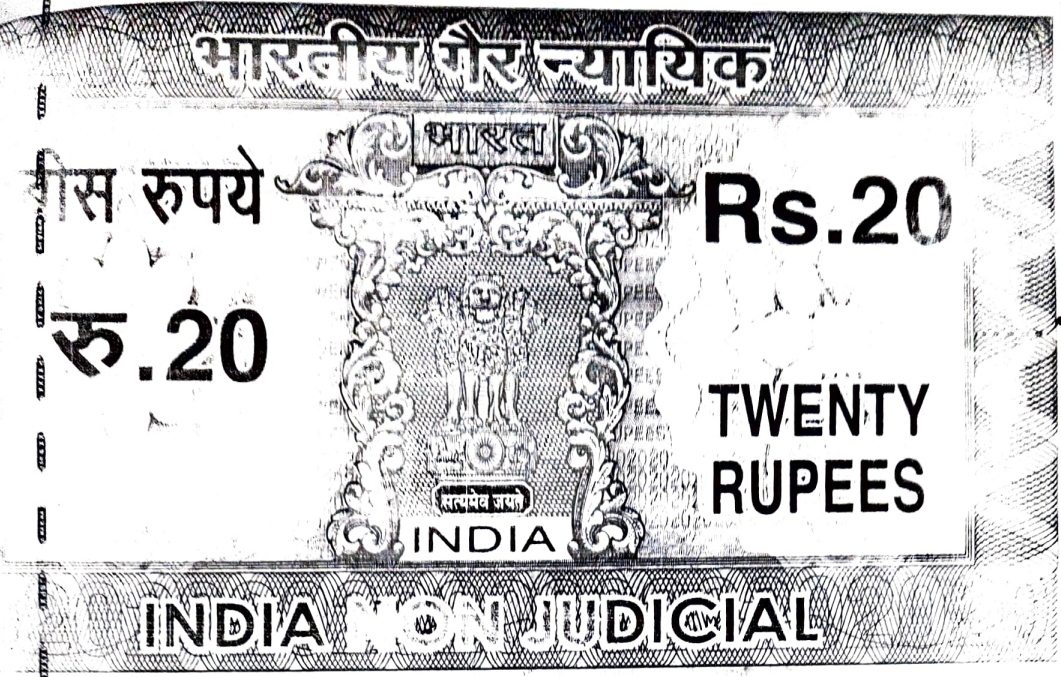
12

ट्रस्टीगण/ट्रस्टी मण्डल के कर्तव्य एवं अधिकार :-

- (क)- इस ट्रस्ट का उचित प्रचार व प्रसार करना और उसे जनप्रिय तथा जनोपयोगी बनाना।
- (ख) विधि के अनुसार हर आवश्यक व उचित कार्य करना तथा उसके लिये हर तरफ से प्रयत्नशील रहना।
- (ग) ट्रस्ट सम्पत्ति का पूर्ण विवरण रखना उसका लेखा जोखा रखना तथा समय-समय पर आडिट कराना।
- (घ) उपरोक्त ट्रस्ट के अस्तित्व को निरन्तर स्थिर रखना तथा कार्यक्षेत्र एवं सदगुणों का विस्तार करना।
- (ङ) ट्रस्टी मण्डल की वर्ष में कम से कम दो बार पूर्व सूचना के आधार पर बैठक करना आपातकालीन परिस्थिति में विशेष बैठक की व्यवस्था करना तथा बैठक में कार्यवाही पत्रिका उसकी सम्पत्ति व आय व्यय आदि का लेखा जोखा व विवरण रखना। ट्रस्ट द्वारा समस्त संचालित तथा स्थापित संस्थाओं के विघटन होने पर ट्रस्ट मण्डल का एकल पूर्ण स्वामित्व होगा।

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

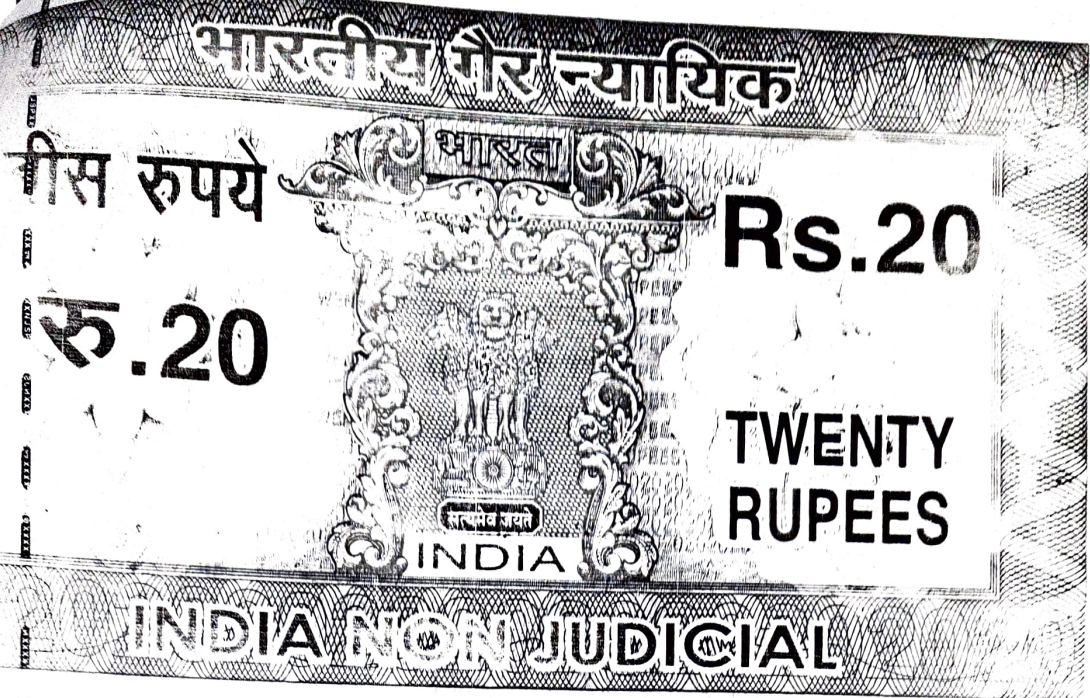
21AA 826497

13

- (च) द इण्डियन ट्रस्ट ऐक्ट १८८२ अथवा तत्कालीन विधि के अनुरूप और पारम्परिक रीति रिवाज और व्यवहार के अनुसार आवश्यक कार्य करना।
- (छ) भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा प्राप्त समस्त अनुरक्षण मेन्टिनेन्स के समुचित उपयोग हेतु सुनिश्चित करना ट्रस्ट के लिये सभी प्रकार के अनुदान दान उपहार लाभांश तथा चन्दा आदि प्राप्त करना।
- (ज) ट्रस्ट के विभिन्न विद्यालयों केन्द्रों पाठ्यक्रमों संस्थाओं विभागों आदि के लिये उससे सम्बन्धित विधि एवं नियमों का अनुपालन करना और उसके अनुरूप उसकी स्थापना संचालन एवं प्रबन्धन की व्यवस्था करना तथा ट्रस्ट द्वारा संचालित इन विद्यालयों महा विद्यालयों केन्द्रों संस्थाओं एवं प्रबन्ध ट्रस्ट मण्डल ही करेगा।
- (झ) ट्रस्ट/संस्था के वैतनिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना, स्थानान्तरण करना पदोन्नति करना उनके चरित्र पंजिकाओं में दर्ज करना व उस पर निर्णय करना तथा उन्हें पदच्युत करना।

श्रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

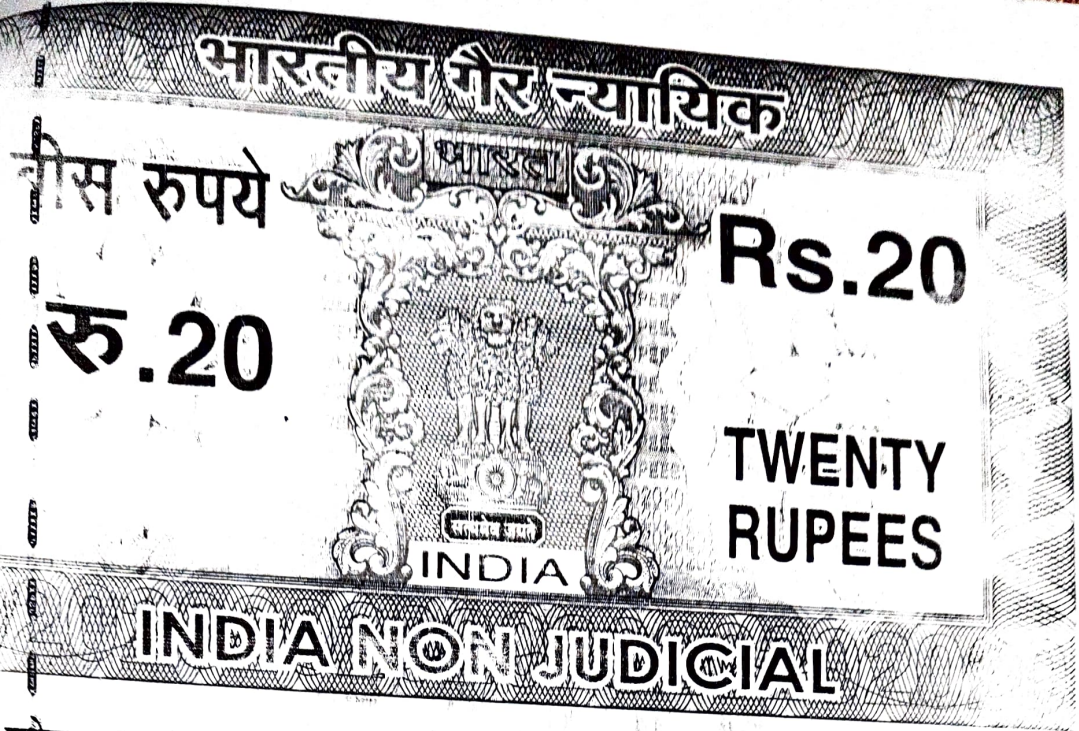
21AA 826498

14

- (ज) ट्रस्ट मण्डल अपने सदस्यों का चयन कार्यों के क्रियान्वयन, उद्देश्यों का विस्तार उप समिति के निर्देश संस्थाओं के संचालन कर्मचारियों के चयन निष्काशन आदि का निर्णय अन्तिम होगा। निर्णयों को कहीं व किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।
- (ट) किसी प्रकार का वाद आजमगढ़ न्यायालय के न्याय क्षेत्र में आयेगा।
- (ठ) ट्रस्ट विलेख नियुक्ति सम्बन्धित दस्तावेज व कार्यवाही पुस्तिका चल एवं अचल सम्पत्ति के अर्जित करने के क्रम में प्राप्त अभिलेख प्रबन्धक के पास ही सुरक्षित रहेंगे। जिन्हें आवश्यकतानुसार ट्रस्टी मण्डल द्वारा मांगे जाने पर आवश्यकता पड़ने पर प्रस्तुत करना होगा।
- (ड) ट्रस्टी मण्डल की प्रथम बैठक में व समय-समय पर पदाधिकारियों के अन्य दायित्वों कर्तव्यों और अधिकारों को निर्धारित किया जायेगा। जो विधि सम्मत हो।
- (ढ) ट्रस्ट के कार्यों एवं उसके द्वारा संचालित संस्थाओं आदि वे कार्य के लिये ट्रस्टी मण्डल दो तिहाई बहुमत से विश्वसनीय सयोग्य पात्र व ट्रस्ट के प्रति निष्ठावान व्यक्तियों को देश प्रदेश जिलों ब्लॉकों व ग्राम पंचायतों में तीन वर्षीय प्रबन्धन तन्त्र की

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

21AA 826499

15

नियुक्ति लिखित प्रस्ताव से कर सकेगा जो हर तीन वर्ष की समाप्ति पर नियुक्ति होती रहेगा तथा इस पर ट्रस्टी मण्डल का पूर्ण नियन्त्रण रहेगा।

(ण) उपरोक्त के अतिरिक्त इण्डियन ट्रस्ट ऐक्ट १८८२ एवं तत्कालीन विधि द्वारा प्राप्त अधिकार एवं दायित्व जो उपरोक्त व्यवस्थाओं के प्रतिकूल न हो।

२१. गणपूर्ति - ट्रस्टी मण्डल की दो तिहाई सदस्यों की उपस्थिति में प्रबन्धन समिति ट्रस्टी मण्डल की समस्त बैठकों की गणपूर्ति माना जायेगी।

२२. सदस्यता की समाप्ति - ट्रस्ट की सदस्यता निम्न परिस्थित में समाप्त समझी जायेगी।

- (क) किसी सदस्य की मृत्यु होने पर
- (ख)- किसी सदस्य के पागल अथवा ट्रस्ट में हेराफेरी व अवैध कार्य करने पर
- (ग) किसी सदस्य के अनैतिक अपराध में लिप्त होने पर
- (घ) किसी सदस्य के सदस्यता से त्याग पत्र देने की दशा में अध्यक्ष के अनुमोदन पर

रीना देवी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

21AA 826500

16

२३- संविधान के संशोधन की प्रक्रिया ट्रस्ट मण्डल के ट्रस्टधारियों को यह अधिकार होगा कि किसी भी समय मीटिंग बुला कर दो तिहाई बहुमत से संविधान को संशोधित कर सकेंगे तथा आवश्यकतानुसार संशोधित विलेखों का प्रमाणिकरण करा सकेंगे। परन्तु किसी भी दशा में ट्रस्ट के मूल उद्देश्यों में संशोधन का अधिकार नहीं होगा।

२४ ट्रस्ट/संस्थान के नियमों, प्रतिबन्धों कार्यकलाप सम्बन्धित विवरण तथा अन्य प्रावधानों के बारे में शंका उत्पन्न होने पर ट्रस्टी मण्डल का निर्णय अन्तिम होगा।

अतः स्वस्थ चित एवं बुद्धि से सोच व समझकर यह ट्रस्टनामा लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवे।

दिनांक १४.०६.२०१३

प्रजबूत करती -

Nar Singh Bahadur Singh Ad. टाईपकर्ता
civil court Azamgarh

Umesh Kumar Yadav
उमेश कुमार यादव

दीवानी कचहरी, आजमगढ़

रीना देवी

ग. राजेश मिहडा. श्री

हरेन्द्र सिंह जाठ
उमेश तह. लडा
आजमगढ़



ग. सुशील कुमार पुत्र
श्री ०७० मेन लिफ्ट ५५
मे ०७०६५५/१०६८८
आजमगढ़

1367/015

7.35
Rs 201

खी. नं. 24

रजि. नं. 24

13/6/013

रजि. नं. 24
कलेक्ट्रेट-आजमगढ़

आज दिनांक 14/06/2013 को
बही सं. 4 जिल्द सं. 144
पृष्ठ सं. 173 से 204 पर क्रमांक 39
रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर


हरिहर राम

उपनिबन्धक सदर
आजमगढ़
14/6/2013

